Result Mitra
दैनिक जागरण
The Indian EXPRESS
JOURNALISM OF COURAGE
दैनिक भास्कर
THE HINDU
जनसत्ता
Daily
CURRENT
AFFAIRS
IAS/PCS
अब होगी करंट अफेयर्स की राह आसान
27 January

Quote of the Day

Result Mitra™

सपना एक देखोगे मुश्किले
हजार आएगी, लेकिन वो मंजर
बड़ा खूबसूरत होगा जब
कामयाबी शोर मचाएगी !

Result Mitra

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का भाषण - 76वां गणतंत्र दिवस (2025)

राष्ट्रपति(द्रौपदी मुर्मू) का भाषण - 76वां गणतंत्र दिवस (2025)

- राष्ट्रपति का भाषण गणतंत्र दिवस 2025 पर भारत की यात्रा, संविधान का महत्व, देश की उपलब्धियां, और भविष्य के लिए युवाओं की भूमिका पर आधारित था।

Result Mitra
76वां
गणतंत्र दिवस

76वां गणतंत्र दिवस (2025)

1. गणतंत्र दिवस और संविधान का महत्व

- भाषण की शुरुआत गणतंत्र दिवस के उत्सव से हुई, जो उस दिन को चिह्नित करता है जब भारतीय संविधान 26 जनवरी 1950 को लागू हुआ था।
- संविधान सभा ने 1949 में तीन साल की बहस के बाद संविधान को अपनाया, जो देश का मूल कानून है।
- राष्ट्रपति ने यह बताया कि संविधान भारतीय राष्ट्र के लिए एक मार्गदर्शक बना हुआ है, जो देश को दुनिया में उसका उचित स्थान पुनः स्थापित करने में मदद कर रहा है।

76वां गणतंत्र दिवस (2025)

2. स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धांजलि

- राष्ट्रपति ने उन वीर स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धांजलि दी जिन्होंने भारत को औपनिवेशिक शासन से मुक्त करने के लिए अपनी जान की बलि दी।
- विशेष रूप से भगवान बिरसा मुंडा का उल्लेख किया गया, जिनकी भूमिका को अब सही रूप से पहचाना जा रहा है।

76वां गणतंत्र दिवस (2025)

3. भारत के लोकतांत्रिक मूल्य और संविधान

- राष्ट्रपति ने यह बताया कि न्याय, स्वतंत्रता, समानता, और बंधुत्व केवल आधुनिक अवधारणाएं नहीं हैं, बल्कि ये भारत की प्राचीन सभ्यता का हिस्सा हैं।
- संविधान सभा की विविधता, जिसमें देश के सभी हिस्सों और समुदायों के प्रतिनिधि थे, और 15 महिला सदस्य, यह भारत के लोकतांत्रिक सिद्धांतों का प्रतीक थे।

76वां गणतंत्र दिवस (2025)

3. भारत के लोकतांत्रिक मूल्य और संविधान

- संविधान का जीवित दस्तावेज होने का जिक्र करते हुए बताया कि यह भारत के नैतिक मार्गदर्शक के रूप में कार्य करता है।

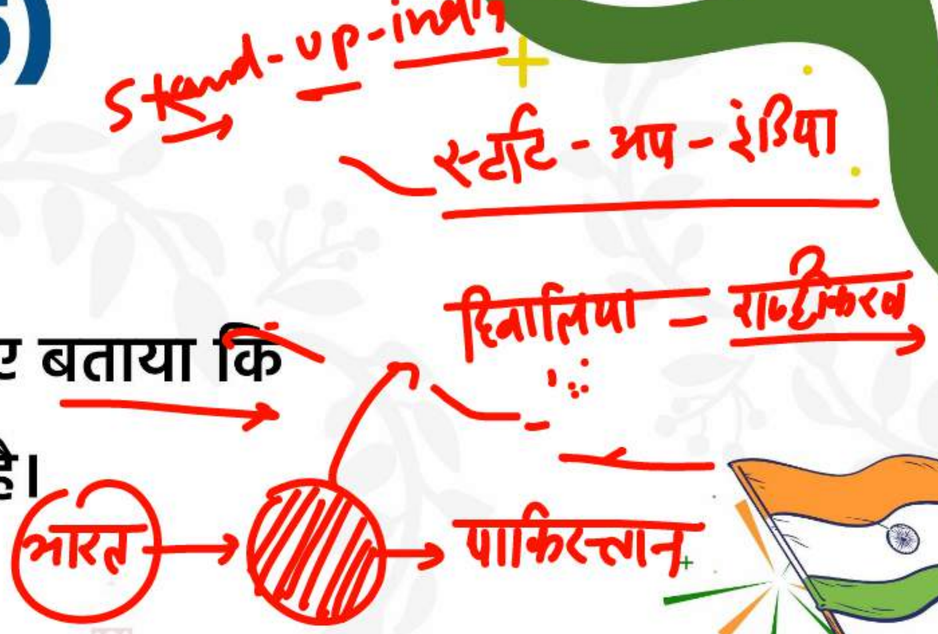

76वां गणतंत्र दिवस (2025)

4. आर्थिक प्रगति और सुधार

- 75 वर्षों में भारत ने गरीबी और भुखमरी को दूर करते हुए आर्थिक आत्मनिर्भरता प्राप्त की, खासकर खाद्य उत्पादन में।
- आर्थिक विकास स्थिर और मजबूत रहा है, जिससे रोजगार के अवसर बढ़े, गरीबों की स्थिति सुधरी, और विकास के लाभ समान रूप से वितरित हुए।
- कई वित्तीय समावेशन योजनाओं, जैसे जन धन योजना, मुद्रा, और स्टैंड-अप इंडिया ने लोगों को वित्तीय सहायता प्रदान की।

76वां गणतंत्र दिवस (2025)

5. कल्याण और विकास

- सरकार ने कल्याण की परिभाषा को फिर से परिभाषित किया है, जिसमें बुनियादी आवश्यकताओं जैसे आवास और पीने का पानी नागरिकों का अधिकार बन गए हैं।
- हाशिए पर स्थित समुदायों के जीवन स्तर को सुधारने के लिए विशेष योजनाओं का जिक्र किया गया, जिनमें अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग शामिल हैं।

76वां गणतंत्र दिवस (2025)

5. कल्याण और विकास

- भौतिक अवसंरचना के विकास पर ध्यान केंद्रित किया गया है, जैसे सड़कें, रेलवे, और बंदरगाह, जो आने वाले दशकों के लिए विकास की नींव हैं।

76वां गणतंत्र दिवस (2025)

6. तकनीकी प्रगति

- भारत ने डिजिटल भुगतान और वित्तीय प्रौद्योगिकी में महत्वपूर्ण प्रगति की है, जिससे सिस्टम में समावेशन और पारदर्शिता बढ़ी है।
- बैंकिंग प्रणाली को सुधारने के लिए दिवालियापन और दिवालियापन संहिता जैसे सुधार लागू किए गए हैं।
- डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना को दुनिया में सबसे बेहतरीन में से एक माना जा रहा है।

76वां गणतंत्र दिवस (2025)

7. आपराधिक कानून में सुधार

- राष्ट्रपति ने भारतीय न्याय संहिता और अन्य सुधारों का उल्लेख किया, जो औपनिवेशिक काल के कानूनों को बदलने के लिए हैं, जो न्याय वितरण को सजा देने के बजाय केंद्र में रखते हैं, खासकर महिलाओं और बच्चों के खिलाफ अपराधों के मामले में।

76वां गणतंत्र दिवस (2025)

8. संस्कृति और भाषा की धरोहर

- भारत की भाषाई विविधता को मनाया गया, जिसमें असमिया, बंगाली, और मराठी जैसी भाषाओं को शास्त्रीय भाषाओं के रूप में मान्यता दी गई है।
- सरकार संस्कृति की धरोहर के संरक्षण और पुनर्जीवन के लिए कई पहल कर रही है।

76वां गणतंत्र दिवस (2025)

9. शिक्षा और युवा

- सरकार ने शिक्षा में निवेश बढ़ाया है और गुणवत्ता और पहुंच में सुधार के लिए कई प्रयास किए हैं।
- व्यावासिक और कौशल शिक्षा का विस्तार किया गया है, साथ ही इंटर्नशिप अवसर प्रदान किए गए हैं।
- भारत ने विज्ञान और प्रौद्योगिकी में नई ऊंचाइयों को छुआ है, जैसे राष्ट्रीय क्वांटम मिशन और जीनोम इंडिया परियोजना।

76वां गणतंत्र दिवस (2025)

10. अंतरिक्ष, खेल और नवाचार में उपलब्धियां

- ISRO ने स्पेस डॉकिनग प्रयोग में सफलता प्राप्त की है, जिससे भारत दुनिया के चार प्रमुख देशों में शामिल हो गया।
- भारतीय खिलाड़ियों ने ओलंपिक और चेस ओलंपियाड जैसे आयोजनों में वैश्विक सफलता हासिल की है।

76वां गणतंत्र दिवस (2025)

11. जलवायु परिवर्तन और पर्यावरण प्रयास

- भारत जलवायु परिवर्तन के खिलाफ वैश्विक प्रयासों में नेतृत्व कर रहा है, जैसे लाइफस्टाइल फॉर एनवायरनमेंट मिशन।
- 'एक पेड़ माँ के नाम' जैसे अभिनव पर्यावरण अभियानों का आयोजन किया गया, जो लोगों को पेड़ लगाने और प्रकृति की रक्षा करने के लिए प्रेरित करता है।

76वां गणतंत्र दिवस (2025)

12. आगे की दिशा: भारत 2047

- राष्ट्रपति ने भारत के भविष्य पर विचार करते हुए कहा कि युवाओं, विशेषकर महिलाओं, की भूमिका भविष्य को आकार देने में महत्वपूर्ण होगी।
- लक्ष्य है कि भारत 2047 में एक विकसित देश बने, जो स्वतंत्रता की शताब्दी के अवसर पर पूरा होगा।

76वां गणतंत्र दिवस (2025)

प्रमुख उद्धरण:

महात्मा गांधी का दृष्टिकोण:

- राष्ट्रपति ने गांधीजी के विचारों का उल्लेख किया, जिसमें उन्होंने शासन और जीवन के हर पहलू में नैतिकता को प्राथमिकता देने की बात की थी। उन्होंने सत्य और अहिंसा के महत्व को बताया और यह भी सिखाया कि हक और कर्तव्य एक ही सिक्के के दो पहलू हैं।

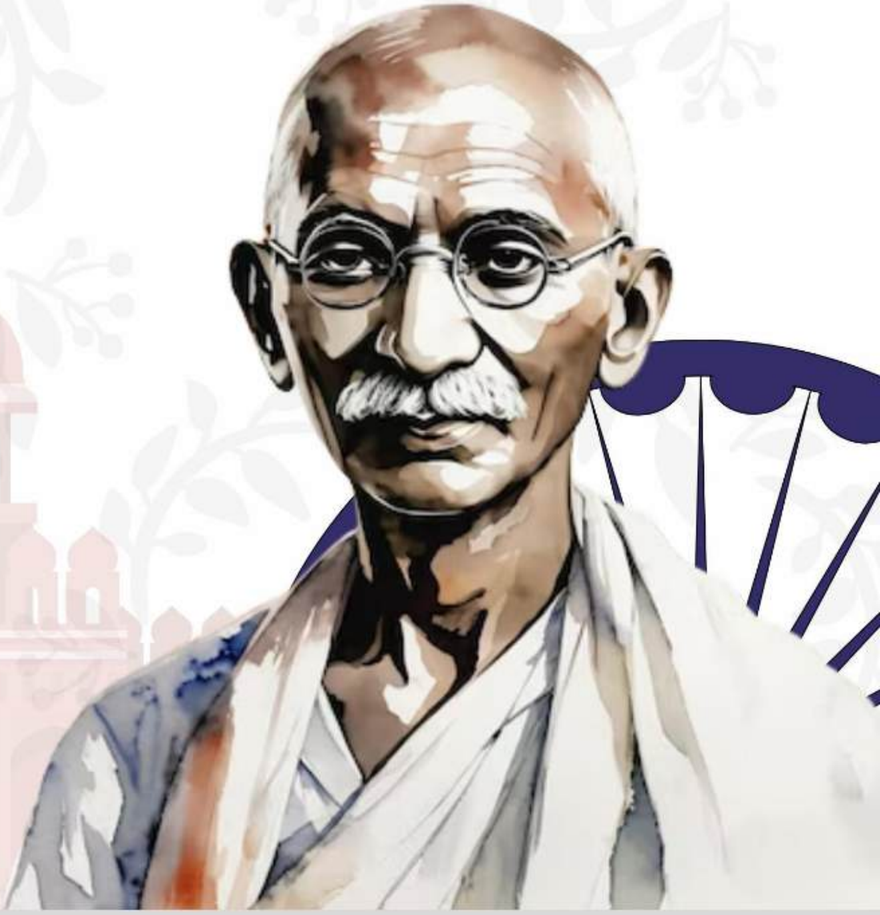

76वां गणतंत्र दिवस (2025)

प्रमुख उद्धरण:

- यह भाषण भारत की 75 वर्षों की यात्रा और भविष्य की दिशा पर केंद्रित है। विद्यार्थियों के लिए यह एक प्रेरणादायक संदेश है कि देश ने कितनी प्रगति की है और यह सामूहिक जिम्मेदारी है कि हम भविष्य में इसे और आगे बढ़ाएं।

द्रौपदी मुर्मू के बारे में:

- द्रौपदी मुर्मू भारत की 15वीं राष्ट्रपति हैं और वे भारतीय राष्ट्रपति बनने वाली पहली आदिवासी महिला हैं।
- उनका जन्म 20 जून 1958 को ओडिशा राज्य के मयूरभंज जिले के उधल गांव में हुआ था।
- उन्होंने भारतीय राजनीति में एक महत्वपूर्ण स्थान प्राप्त किया है और उनके राष्ट्रपति बनने की यात्रा एक प्रेरणास्त्रोत है।

द्रौपदी मुर्मू के बारे में:

जीवन परिचय:

- पूरा नाम: द्रौपदी मुर्मू
- जन्म: 20 जून 1958
- जन्म स्थान: मयूरभंज, ओडिशा
- जाति: संताल जनजाति (आदिवासी)
- पारिवारिक स्थिति: द्रौपदी मुर्मू का विवाह श्याम चरण मुर्मू से हुआ था, जिनका निधन हो चुका है। उनके दो बेटे भी हैं, जिनमें से एक का भी निधन हो चुका है।

Result Mitra

द्रौपदी मुर्मू के बारे में:

शिक्षा और प्रारंभिक करियर:

- द्रौपदी मुर्मू ने अपनी शिक्षा भुवनेश्वर और राउरकेला के स्कूलों से प्राप्त की।
- वे एक शिक्षिका के रूप में अपने करियर की शुरुआत की और बाद में राजनीति में कदम रखा।

Result Mitra

द्रौपदी मुर्मू के बारे में:

राजनीतिक करियर:

- द्रौपदी मुर्मू ने बीजू जनता दल (BJD) के सदस्य के रूप में राजनीति में कदम रखा और ओडिशा विधानसभा में 2000 से 2004 तक राउरकेला से विधायक के रूप में कार्य किया।
- उन्होंने राज्य मंत्री के रूप में वन और पर्यावरण विभाग का कार्यभार संभाला।

Result Mitra

द्रौपदी मुर्मू के बारे में:

राष्ट्रपति पद का चुनाव:

- 2015 में वे ओडिशा के राज्यपाल के रूप में नियुक्त की गईं। इस भूमिका में उन्होंने कई सामाजिक और आदिवासी समुदायों के कल्याण के लिए काम किया।

Result Mitra

द्रौपदी मुर्मू के बारे में:

राष्ट्रपति पद का चुनाव:

- 2022 में द्रौपदी मुर्मू को राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (NDA) द्वारा भारत के राष्ट्रपति पद के लिए उम्मीदवार के रूप में नामित किया गया।
- उन्होंने भारत के 15वें राष्ट्रपति के रूप में 25 जुलाई 2022 को शपथ ली।
- वे भारत की पहली आदिवासी महिला राष्ट्रपति हैं और उनके चुनाव ने भारतीय राजनीति में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर स्थापित किया है।

Result Mitra

द्रौपदी मुर्मू के बारे में:

योगदान:

- द्रौपदी मुर्मू का राजनीतिक करियर मुख्य रूप से आदिवासी समुदायों के विकास और कल्याण पर केंद्रित रहा है।
- वे शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला सशक्तिकरण, और समाज के पिछड़े वर्गों के लिए कार्य करती रही हैं।

Result Mitra

द्रौपदी मुर्मू के बारे में:

राष्ट्रपति बनने के बाद:

- द्रौपदी मुर्मू ने राष्ट्रपति पद की शपथ ग्रहण करते हुए अपने पहले संबोधन में राष्ट्र के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जताई और समाज के हर वर्ग के उत्थान के लिए कार्य करने की बात की।

Result Mitra

भारतीय संविधान के बारे में:

- भारतीय संविधान को संविधान सभा ने बनाया था.
- इसे 26 नवंबर, 1949 को अपनाया गया था और 26 जनवरी, 1950 को लागू किया गया था.
- यह दुनिया का सबसे बड़ा लिखित संविधान है.
- संविधान को तैयार करने में 2 साल, 11 महीने और 18 दिन लगे थे.
- संविधान की मूल कॉपी हिन्दी और अंग्रेज़ी दोनों भाषाओं में हाथ से लिखी गई थी.

भारतीय संविधान के बारे में:

- संविधान के पहले हस्ताक्षरकर्ता डॉ. राजेंद्र प्रसाद थे और आखिरी हस्ताक्षरकर्ता फिरोज़ गांधी थे.
- संविधान में नागरिकों के मौलिक अधिकारों का वर्णन अनुच्छेद 12 से 35 तक किया गया है.
- संविधान का राष्ट्रीय नारा 'सत्यमेव जयते' है.
- संविधान की मूल संरचना भारत सरकार अधिनियम, 1935 पर आधारित है.

भारतीय संविधान के बारे में:

- डॉ. भीमराव अंबेडकर को भारतीय संविधान का निर्माता कहा जाता है.
- संविधान में शासन, नागरिक अधिकार, नीति निर्देशक सिद्धांत, संघीय ढांचे और प्रक्रियाओं का वर्णन है.

Result Mitra

डॉ. भीमराव अंबेडकर के बारे में:

- डॉ. भीमराव अंबेडकर का जन्म 14 अप्रैल, 1891 को मध्य प्रदेश के महू में हुआ था.
- उनका परिवार महार जाति से था, जिसे अछूत माना जाता था.
- वे एक जाने-माने वकील थे.
- वे भारत के पहले कानून मंत्री थे.
- वे भारतीय संविधान के जनक थे.
- वे समाज के कमज़ोर वर्गों के अधिकारों के लिए लड़ते रहे.
- उन्होंने बौद्ध धर्म अपनाया था.

Result Mitra

डॉ. भीमराव अंबेडकर के बारे में:

- वे सामाजिक नवजागरण के अग्रदूत थे.
- वे समतामूलक समाज के निर्माणकर्ता थे.
- वे शिक्षा के ज़रिए समाज के कमज़ोर वर्गों को सशक्त बनाना चाहते थे.
- उनकी जयंती को समानता दिवस और ज्ञान दिवस के रूप में मनाया जाता है.

CURRENT AFFAIRS QUIZ

Result Mitra

प्रश्न: निम्नलिखित में से कौन से कथन भारतीय संविधान, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, और डॉ. भीमराव अंबेडकर से संबंधित हैं?

1. भारतीय संविधान को संविधान सभा ने 26 नवंबर, 1949 को अपनाया था और इसे 26 जनवरी, 1950 को लागू किया गया।
2. द्रौपदी मुर्मू भारत की पहली आदिवासी महिला राष्ट्रपति हैं और उनका चुनाव भारतीय राजनीति में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित हुआ।
3. डॉ. भीमराव अंबेडकर का जन्म 14 अप्रैल, 1891 को हुआ था और वे भारतीय संविधान के प्रमुख निर्माता थे।
4. भारतीय संविधान की पहली कॉपी केवल हिंदी में लिखी गई थी।

सही विकल्प चुनिए:

A) 1, 2, और 3
B) 1, 2, और 4
C) 2, 3, और 4
D) 1, 3, और 4

Result Mitra

भारत का सबसे पुराना पुस्तक मेला बोई मेला

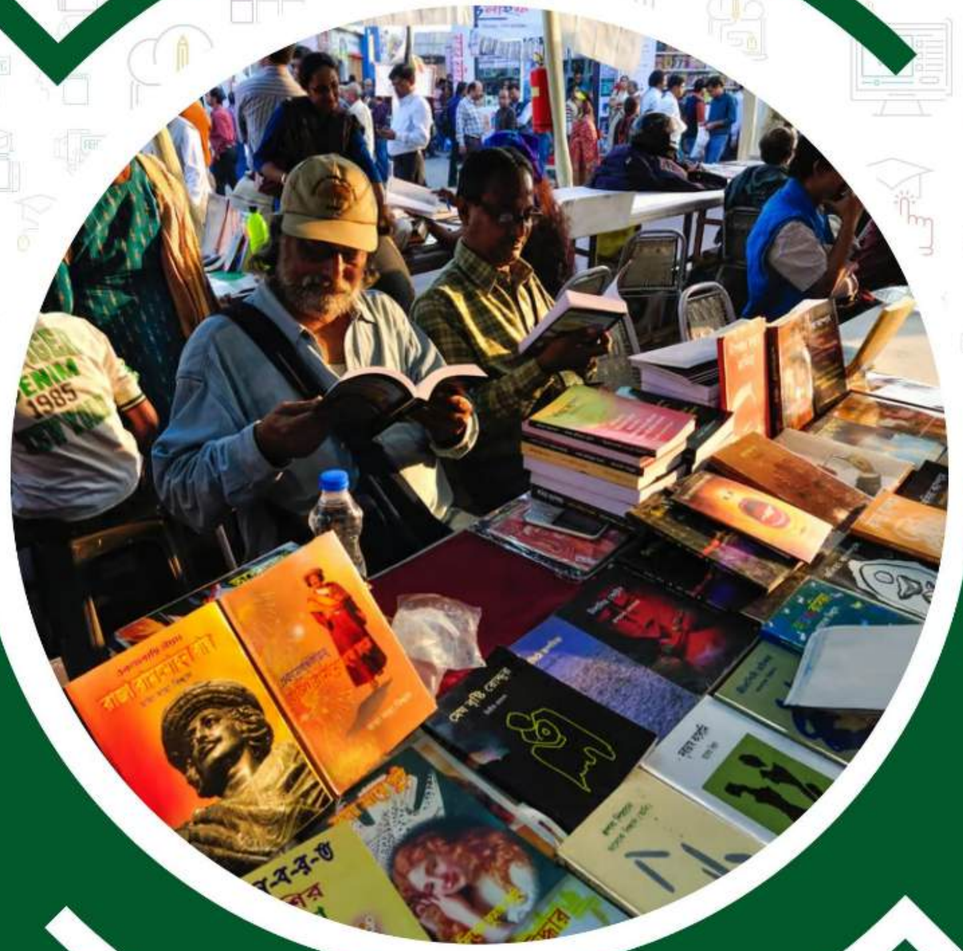

भारत का सबसे पुराना पुस्तक मेला बोई मेला

Result Mitra

- कोलकाता का 'बोई मेला' भारत का सबसे पुराना पुस्तक मेला है, जो बंगाली संस्कृति, पढ़ने की परंपरा और बौद्धिक संवाद की धरोहर को जीवित रखता है।
- इस वर्ष, 48वां अंतर्राष्ट्रीय कोलकाता पुस्तक मेला 28 जनवरी से 9 फरवरी 2025 तक कोलकाता के साल्ट लेक सिटी में आयोजित किया जाएगा। इस बार जर्मनी को थीम देश के रूप में चुना गया है, जो फ्रैंकफर्ट बुक फेयर से प्रेरणा के सम्मान में है।

भारत का सबसे पुराना पुस्तक मेला बोई मेला

Result Mitra

- मेले में 'शेल्फ लाइफ' थीम मंडप प्रमुख आकर्षणों में से एक होगा, जिसे प्रसिद्ध वास्तुकार अनुपमा कुंडू द्वारा डिज़ाइन किया गया है। इसके अलावा, जर्मनी और भारत के लेखक, ग्राफिक उपन्यासकार और अंतर्राष्ट्रीय साहित्य महोत्सवों के प्रतिनिधि साहित्यिक संवाद में भाग लेंगे।
- इस वर्ष मेला पर्यावरण और स्थिरता पर भी जोर देगा, जिससे यह साहित्य के साथ-साथ वैश्विक मूल्यों और समावेशिता को भी बढ़ावा देगा।

भारत का सबसे पुराना पुस्तक मेला बोई मेला

Result Mitra

- कोलकाता पुस्तक मेले का इतिहास 1918 में शुरू हुआ, जब नेशनल काउंसिल ऑफ एजुकेशन (NCE) ने कोलकाता के कॉलेज स्ट्रीट में पहली पुस्तक प्रदर्शनी आयोजित की थी।
- इस आयोजन का नेतृत्व रवींद्रनाथ टैगोर, लाला लाजपत राय और बिपिनचंद्र पाल जैसे महान हस्तियों ने किया था।

भारत का सबसे पुराना पुस्तक मेला बोई मेला

Result Mitra

- आधुनिक कोलकाता पुस्तक मेले की शुरुआत 1975 में हुई, जब 34 प्रकाशकों ने विक्टोरिया मेमोरियल के पास 56 स्टॉल लगाए थे। तब से, यह मेला एक वार्षिक परंपरा बन गया है और हर साल हज़ारों आगंतुकों को आकर्षित करता है।

भारत का सबसे पुराना पुस्तक मेला बोई मेला

Result Mitra

- कोलकाता अंतरराष्ट्रीय पुस्तक मेला कोई आम पुस्तक मेला नहीं है; यह एक विश्व उत्सव और विश्व मेला है, जो पिछले चार दशकों से भी ज्यादा समय से विश्व मानवता और पुस्तक प्रेम का एक मिसाल बन चुका है।
- इस वर्ष के मेले में, आयोजक पर्यावरण और स्थिरता पर विशेष ध्यान दे रहे हैं, जिससे यह साहित्य के साथ-साथ वैश्विक मूल्यों और समावेशिता को भी बढ़ावा देगा।

भारत का सबसे पुराना पुस्तक मेला बोई मेला

Result Mitra

- कोलकाता का 'बोई मेला' न केवल भारत का सबसे पुराना पुस्तक मेला है, बल्कि यह बंगाली संस्कृति, पढ़ने की परंपरा और बौद्धिक संवाद की धरोहर को जीवित रखता है।
- यह मेला साहित्य और कला प्रेमियों का ऐसा मिलन स्थल है, जो हर साल हज़ारों आगंतुकों को आकर्षित करता है।

नेशनल काउंसिल ऑफ एजुकेशन (NCE)

NCE

- नेशनल काउंसिल ऑफ एजुकेशन (NCE) भारत सरकार का एक वैधानिक निकाय है.
- इसकी स्थापना 17 अगस्त, 1995 को हुई थी.
- यह शिक्षक शिक्षा प्रणाली को विनियमित करने के लिए ज़िम्मेदार है.
- यह शिक्षण से जुड़े पाठ्यक्रमों के लिए मानक और मानदंड तय करती है.

नेशनल काउंसिल ऑफ एजुकेशन (NCE)

- यह परीक्षाएं भी आयोजित करती है.
- यह शिक्षा प्रणाली के मानकों, प्रक्रियाओं, और धाराओं की स्थापना और निरीक्षण करती है.
- यह शिक्षक शिक्षा के नियोजित और समन्वित विकास को सुनिश्चित करती है.
- यह शिक्षक शिक्षा के मानकों और मानदंडों को नियंत्रित और बनाए रखती है.

नेशनल काउंसिल ऑफ एजुकेशन (NCE)

- रवींद्रनाथ टैगोर, लाला लाजपत राय, और बिपिनचंद्र पाल भारतीय स्वतंत्रता संग्राम और सामाजिक सुधारों में अपनी महत्वपूर्ण भूमिकाओं के लिए जाने जाते हैं। इन तीनों का भारतीय इतिहास में विशेष योगदान है।

रवींद्रनाथ टैगोर (1861-1941)

परिचय:

- रवींद्रनाथ टैगोर एक कवि, लेखक, संगीतकार, दार्शनिक और नोबेल पुरस्कार विजेता थे।

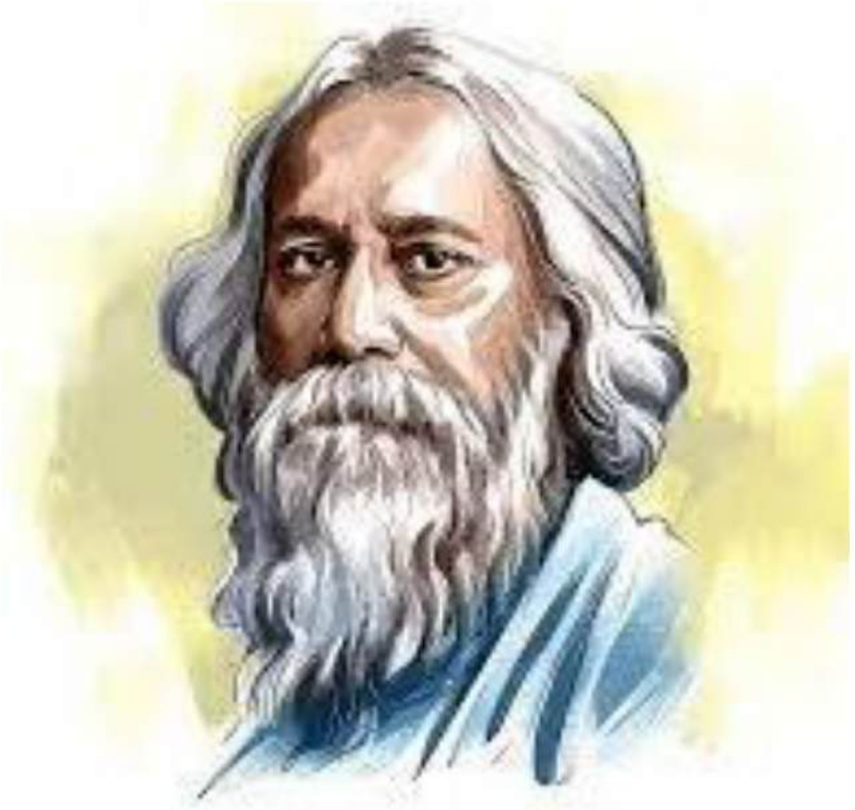

रवींद्रनाथ टैगोर (1861-1941)

उपलब्धियां:

- भारत और बांग्लादेश के राष्ट्रीय गान ("जन गण मन" और "आमार सोनार बांग्ला") के रचयिता।
- 1913 में साहित्य के लिए नोबेल पुरस्कार पाने वाले पहले एशियाई।
- शांतिनिकेतन और विश्वभारती विश्वविद्यालय की स्थापना की।

रवींद्रनाथ टैगोर (1861-1941)

- **विचारधारा:** टैगोर ने मानवता, प्रकृति, और आत्मा की एकता पर जोर दिया। वे भारतीय संस्कृति के प्रबल समर्थक थे और पश्चिमी विचारों का स्वागत भी करते थे।
- **प्रभाव:** वे स्वतंत्रता संग्राम के दौरान एक मार्गदर्शक शक्ति थे, हालांकि उन्होंने अहिंसा और आत्मनिर्भरता को प्राथमिकता दी।

लाला लाजपत राय (1865-1928)

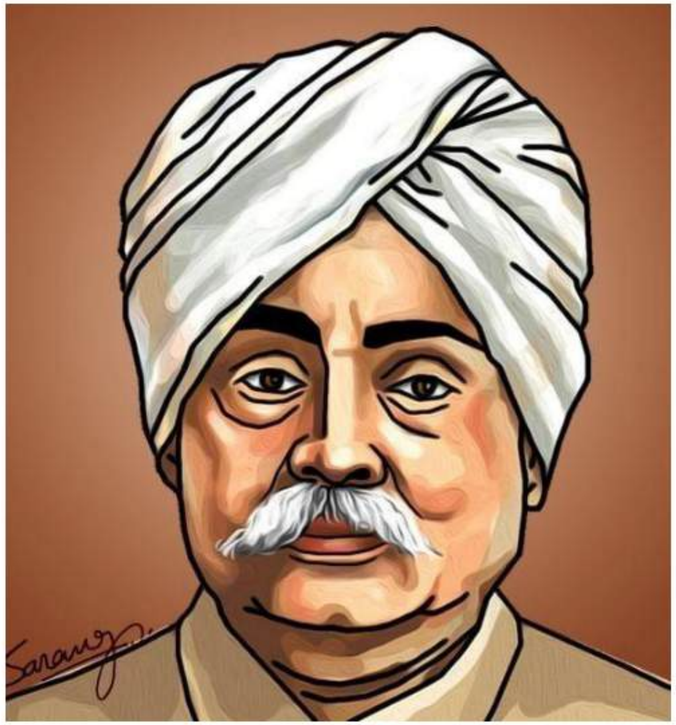

परिचय:

- लाला लाजपत राय भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के महान नेता थे और उन्हें "पंजाब केसरी" (पंजाब का शेर) कहा जाता है।

लाला लाजपत राय (1865-1928)

उपलब्धियां:

- भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के प्रमुख नेता और गरम दल के सदस्य।
- जलियांवाला बाग हत्याकांड और साइमन कमीशन के खिलाफ आवाज उठाई।
- पंजाब नेशनल बैंक और लक्ष्मी बीमा कंपनी की स्थापना।

लाला लाजपत राय (1865-1928)

उपलब्धियां:

- स्वदेशी आंदोलन के समर्थक।
- मृत्यु: साइमन कमीशन के विरोध प्रदर्शन के दौरान पुलिस की लाठीचार्ज में घायल होकर उनका निधन हो गया।

बिपिनचंद्र पाल (1858-1932)

परिचय:

- बिपिनचंद्र पाल गरम दल के प्रमुख नेता और भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के एक प्रेरणादायक वक्ता थे।

बिपिनचंद्र पाल (1858-1932)

उपलब्धियां:

- स्वदेशी आंदोलन के प्रबल समर्थक।
- ब्रिटिश शासन के खिलाफ अपने लेख और भाषणों के माध्यम से जागरूकता फैलाई।
- उन्होंने कई प्रमुख पत्रिकाओं और अखबारों में लेख लिखे, जैसे "बंगाली," "बंदे मातरम," और "न्यू इंडिया"।

बिपिनचंद्र पाल (1858-1932)

विचारधारा:

- वे स्वतंत्रता के लिए कट्टरपंथी दृष्टिकोण अपनाने के पक्षधर थे और नरमपंथी विचारधारा के आलोचक।

भारत का सबसे पुराना पुस्तक मेला बोई मेला

इनकी सामूहिक भूमिका (लाल-बाल-पाल):

- लाला लाजपत राय, बाल गंगाधर तिलक, और बिपिनचंद्र पाल की तिकड़ी को "लाल-बाल-पाल" के नाम से जाना जाता है।
- ये तीनों गरम दल के सदस्य थे, जिन्होंने ब्रिटिश शासन के खिलाफ आक्रामक रवैया अपनाया और स्वदेशी, स्वराज और विदेशी वस्त्रों के बहिष्कार का समर्थन किया।

इनकी सामूहिक भूमिका (लाल-बाल-पाल):

- रवींद्रनाथ टैगोर ने सांस्कृतिक और साहित्यिक क्षेत्र में जागरूकता पैदा की, जबकि लाला लाजपत राय और बिपिनचंद्र पाल ने राजनीतिक और सामाजिक सुधारों के जरिए भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन को मजबूत किया। ये तीनों भारत के लिए प्रेरणा के स्रोत हैं।

CURRENT AFFAIRS QUIZ

Result Mitra

प्रश्न: निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. रवींद्रनाथ टैगोर ने भारत और बांग्लादेश के राष्ट्रीय गान की रचना की थी।
2. लाला लाजपत राय को "पंजाब केसरी" के नाम से जाना जाता है।
3. बिपिनचंद्र पाल भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के नरम दल के प्रमुख नेता थे।

उपयुक्त विकल्प का चयन कीजिए:

A. केवल 1 और 2 सही हैं

B. केवल 1 और 3 सही हैं

C. केवल 2 और 3 सही हैं

D. 1, 2 और 3 सही हैं

Result Mitra

युवाओं का आध्यात्म की ओर बढ़ता रुख

युवाओं का आध्यात्म की ओर बढ़ता रुख

Result Mitra

- हाल के वर्षों में, युवाओं के बीच आध्यात्मिकता के प्रति रुचि में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है। धर्म के पारंपरिक स्वरूपों से हटकर, युवा अब व्यक्तिगत विकास, मानसिक शांति और आंतरिक संतुलन की खोज में आध्यात्मिक मार्ग अपना रहे हैं।

युवाओं का आध्यात्म की ओर बढ़ता रुख

Result Mitra

धर्म और आध्यात्म में अंतर:

- धर्म अक्सर कठोर नियमों, परंपराओं और अनुष्ठानों से जुड़ा होता है, जो कई बार युवाओं को सीमित और बंधनकारी लगता है। इसके विपरीत, आध्यात्मिकता एक लचीला दृष्टिकोण प्रदान करती है, जिसमें आत्म-खोज, सकारात्मकता और मानसिक शांति पर जोर दिया जाता है।
- यह लचीलापन युवाओं को अपनी आवश्यकताओं और जीवनशैली के अनुसार आध्यात्मिकता को अपनाने में मदद करता है।

युवाओं का आध्यात्म की ओर बढ़ता रुख

Result Mitra

आध्यात्मिकता के प्रति आकर्षण के कारण:

1. मानसिक स्वास्थ्य:

- आज की युवा पीढ़ी तनाव, अवसाद और चिंता जैसी मानसिक चुनौतियों का सामना कर रही है। आध्यात्मिक प्रथाएं, जैसे ध्यान और योग, मानसिक शांति और संतुलन प्रदान करने में सहायक हैं।

युवाओं का आध्यात्म की ओर बढ़ता रुख

Result Mitra

आध्यात्मिकता के प्रति आकर्षण के कारण:

2. आत्म-विकास:

- आध्यात्मिकता आत्म-जागरूकता और आत्म-विकास को प्रोत्साहित करती है, जिससे युवा अपने जीवन के उद्देश्यों और मूल्यों को समझने में सक्षम होते हैं।

युवाओं का आध्यात्म की ओर बढ़ता रुख

Result Mitra

आध्यात्मिकता के प्रति आकर्षण के कारण:

3. सकारात्मकता और ऊर्जा:

- 'कर्मा', 'पॉजिटिव वाइब्स' और 'एनर्जी' जैसे आध्यात्मिक शब्दावली आज की युवा पीढ़ी में लोकप्रिय हो रही है, जो सकारात्मक सोच और ऊर्जा के महत्व को दर्शाती है।

युवाओं का आध्यात्म की ओर बढ़ता रुख

आध्यात्मिक गतिविधियों में भागीदारी:

युवा अब विभिन्न आध्यात्मिक गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग ले रहे हैं, जैसे:

- अफर्मेशन (सकारात्मक पुष्टि): सकारात्मक विचारों और वाक्यों के माध्यम से आत्म-विश्वास बढ़ाना।
- हीलिंग क्रिस्टल्स का उपयोग: ऊर्जा संतुलन और मानसिक शांति के लिए क्रिस्टल्स का उपयोग।

युवाओं का आध्यात्म की ओर बढ़ता रुख

आध्यात्मिक गतिविधियों में भागीदारी:

युवा अब विभिन्न आध्यात्मिक गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग ले रहे हैं, जैसे:

- कर्म और मेनिफेस्टेशन: अपने कार्यों के परिणामों के प्रति जागरूकता और इच्छाओं की प्राप्ति के लिए सकारात्मक सोच।
- चक्र और कुंडलिनी जागरण: आंतरिक ऊर्जा केंद्रों को सक्रिय करने के लिए योग और ध्यान का अभ्यास।

युवाओं का आध्यात्म की ओर बढ़ता रुख

Result Mitra

आध्यात्मिक गतिविधियों में भागीदारी:

- इन प्रथाओं के माध्यम से, युवा अपनी मानसिक, शारीरिक और आध्यात्मिक भलाई को बढ़ावा दे रहे हैं। आध्यात्मिकता के प्रति यह बढ़ता रुझान दर्शाता है कि युवा अब आंतरिक शांति, संतुलन और आत्म-विकास को अपने जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा मान रहे हैं।

युवाओं का आध्यात्म की ओर बढ़ता रुख

Result Mitra

आध्यात्म से जुड़ी कुछ खास बातें:

- अध्यात्म, आत्मा, परमात्मा, जीव, माया, जन्म-मृत्यु, पुनर्जन्म, सृजन-प्रलय जैसी पहेलियों को सुलझाने का प्रयास है.
- अध्यात्म, जीवन-दृष्टि और जीवन-शैली का समन्वय है.
- अध्यात्म, आंतरिक जीवन को समृद्ध बनाता है और आपसी संबंधों को बेहतर करता है.
- अध्यात्म, व्यक्ति को आत्मविश्वास और मानसिक बल देता है.

युवाओं का आध्यात्म की ओर बढ़ता रुख

Result Mitra

आध्यात्म से जुड़ी कुछ खास बातें:

- अध्यात्म, हमारे जीवन में प्रेम, शांति, खुशी, और विवेक की शक्ति प्रदान करता है.
- अध्यात्म, ऋषियों और मनीषियों के चिंतन का निचोड़ है.
- अध्यात्म, उपनिषदों का दिव्य प्रसाद है.
- अध्यात्म, जीवन को समग्र ढंग से देखता है और इसे अपनाता भी है.
- अध्यात्म, चेतना की चिरंतन और नूतन खोज है.
- अध्यात्म, आत्मा की खोज से जुड़ा है.

युवाओं का आध्यात्म की ओर बढ़ता रुख

धर्म से जुड़ी कुछ खास बातें:

- धर्म, लोगों के जीवन जीने के तरीके को प्रभावित करता है.
- धर्म, लोगों के आचरण और नैतिकता को तय करता है.
- धर्म, ब्रह्मांड के बारे में लोगों के विश्वास को बताता है.
- धर्म की स्थापना कोई व्यक्ति करता है, जिसे पैगंबर कहा जाता है.
- धर्म के संस्थापक को ईश्वर से शिक्षा प्राप्त करने वाला माना जाता है.

युवाओं का आध्यात्म की ओर बढ़ता रुख

धर्म से जुड़ी कुछ खास बातें:

- धर्म के संस्थापकों को उनके जीवन के हज़ारों साल बाद भी लोग पूजते हैं.
- धर्म के अपने कुछ खास नियम और रीति-रिवाज होते हैं.
- धर्म, लोगों को सही काम करने के लिए प्रेरित करता है.

युवाओं का आध्यात्म की ओर बढ़ता रुख

धर्म से जुड़े कुछ और रोचक तथ्य:

- हिन्दू धर्म को सनातन धर्म भी कहा जाता है.
- हिन्दू धर्म को दुनिया के सबसे पुराने धर्मों में से एक माना जाता है.
- हिन्दू धर्म के कई चिह्न भारत की सिंधु घाटी सभ्यता में मिलते हैं.
- हिन्दू धर्म में 108 संख्या को पवित्र माना जाता है.
- मुस्लिम धर्म में पुरुषों को चार शादियां करने की इजाज़त है.

CURRENT AFFAIRS QUIZ

Result Mitra

प्रश्न: निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. अध्यात्म आत्मा और परमात्मा की खोज पर केंद्रित होता है, जबकि धर्म रीति-रिवाज और परंपराओं का पालन करने पर बल देता है।

2. धर्म के संस्थापक अक्सर किसी विशेष व्यक्ति को माना जाता है, जबकि अध्यात्म में व्यक्तिगत अनुभव और आत्म-जागरूकता पर जोर दिया जाता है।

3. धर्म और अध्यात्म दोनों मानसिक शांति और आत्म-विकास को बढ़ावा देने में समान भूमिका निभाते हैं।

उपयुक्त विकल्प का चयन कीजिए:

A. केवल 1 और 2 सही हैं

B. केवल 2 और 3 सही हैं

C. केवल 1 और 3 सही हैं

D. 1, 2 और 3 सही हैं

Result Mitra

उदयपुर और इंदौर दो नए वेटलैंड

उदयपुर और इंदौर दो नए वेटलैंड

Result Mitra

- हाल ही में, इंदौर और उदयपुर को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर 'वेटलैंड सिटी' का दर्जा प्राप्त हुआ है, जो भारत के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।
- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस अवसर पर दोनों शहरों को बधाई देते हुए कहा कि यह मान्यता सतत विकास और प्रकृति एवं शहरी विकास के बीच सामंजस्य स्थापित करने की भारत की मजबूत प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

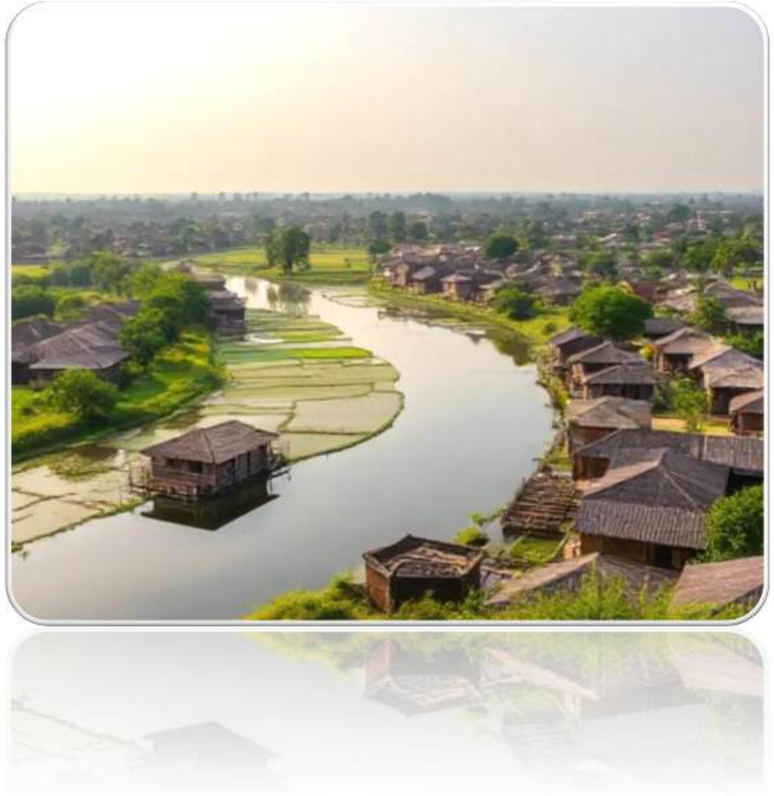

उदयपुर और इंदौर दो नए वेटलैंड

Result Mitra

- अंतर्राष्ट्रीय संस्था रामसर कन्वेंशन की स्थायी समिति की बैठक में दुनियाभर के 31 शहरों को 'वेटलैंड सिटी' के रूप में मान्यता दी गई है, जिसमें भारत के इंदौर और उदयपुर शामिल हैं।
- इससे पहले भारत के किसी भी शहर को यह मान्यता नहीं मिली थी, जिससे यह देश के लिए गर्व का विषय है।

उदयपुर और इंदौर दो नए वेटलैंड

Result Mitra

- 'वेटलैंड सिटी' का दर्जा उन शहरों को दिया जाता है जो आर्द्रभूमि (वेटलैंड) के संरक्षण और सतत उपयोग में उत्कृष्ट कार्य करते हैं।
- इस मान्यता से इंदौर और उदयपुर को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिलेगी और पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में उनके प्रयासों को प्रोत्साहन मिलेगा।

उदयपुर और इंदौर दो नए वेटलैंड

Result Mitra

- इस उपलब्धि के साथ, उम्मीद की जाती है कि अन्य भारतीय शहर भी वेटलैंड संरक्षण और सतत विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को मजबूत करेंगे, जिससे देश में हरित, स्वच्छ और अधिक पर्यावरण-अनुकूल शहरी स्थानों का निर्माण हो सकेगा।
- वेटलैंड सिटी मान्यता (WCA) एक स्वैच्छिक प्रणाली है, जिसके तहत उन शहरों को मान्यता दी जाती है, जिन्होंने अपने शहरी आर्द्रभूमि के संरक्षण के लिए अहम कदम उठाए हैं. इस प्रणाली का मकसद, शहरी आर्द्रभूमि के संरक्षण और विवेकपूर्ण इस्तेमाल को बढ़ावा देना है.

उदयपुर और इंदौर दो नए वेटलैंड

Result Mitra

वेटलैंड सिटी मान्यता से जुड़ी कुछ खास बातें:

- साल 2015 में रामसर कन्वेंशन ने वेटलैंड सिटी मान्यता प्रणाली को मंज़ूरी दी थी.
- यह मान्यता छह साल के लिए वैध होती है.
- इस मान्यता का मकसद, स्थानीय आबादी के लिए सामाजिक-आर्थिक लाभ बढ़ाना भी है.

उदयपुर और इंदौर दो नए वेटलैंड

Result Mitra

वेटलैंड सिटी मान्यता से जुड़ी कुछ खास बातें:

- वेटलैंड यानी आर्द्रभूमि, ऐसा भूभाग होता है, जहां ज़मीन स्थायी या मौसमी रूप से पानी से ढकी रहती है.
- आर्द्रभूमि में जलीय पौधों का बाहुल्य होता है.
- आर्द्रभूमि में कई तरह के जीव-जंतु पाए जाते हैं, जैसे कि पक्षी, जलचर पक्षी, मगरमच्छ, घड़ियाल, स्नैपिंग कछुए, वगैरह.

इंदौर और उदयपुर

- इंदौर और उदयपुर भारत के दो प्रसिद्ध शहर हैं, जो अपनी अद्वितीय संस्कृति, इतिहास, और आधुनिक उपलब्धियों के लिए जाने जाते हैं। दोनों शहर अपने-अपने राज्यों (मध्य प्रदेश और राजस्थान) के गौरव हैं।

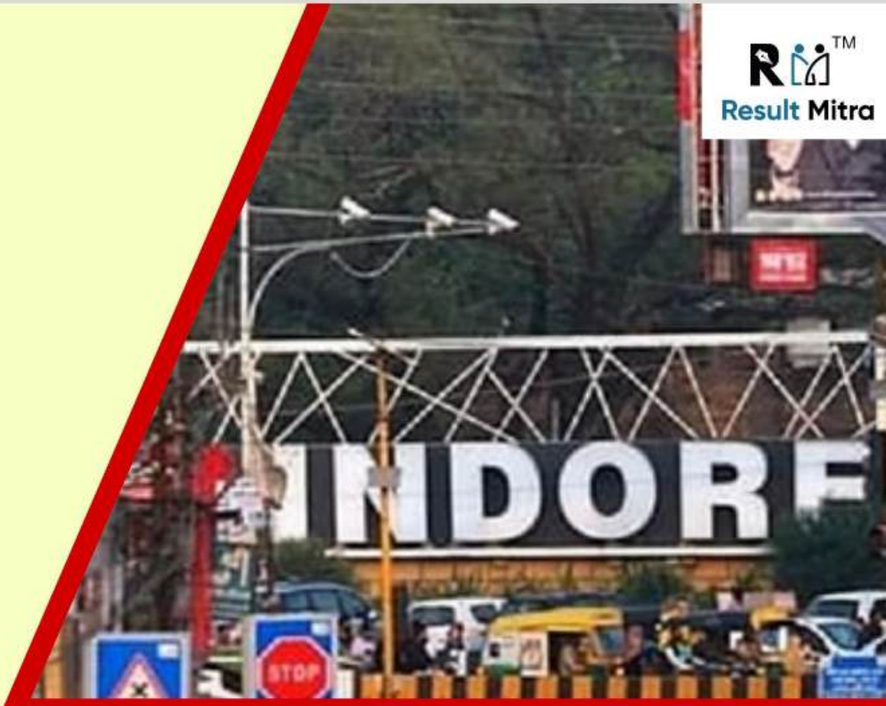

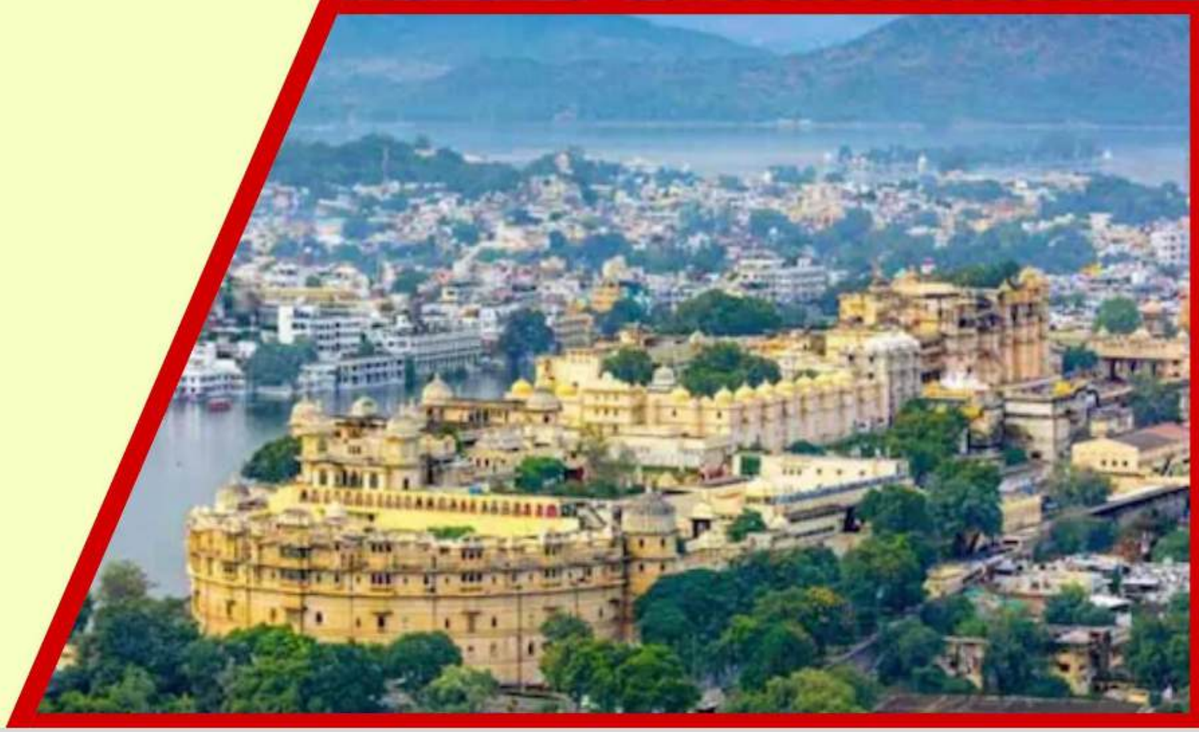

Result Mitra

इंदौर (मध्य प्रदेश)

परिचय:

- इंदौर मध्य प्रदेश का सबसे बड़ा और व्यस्ततम शहर है। इसे "मिनी मुंबई" भी कहा जाता है।

म.प्र. की आर्थिक राजधानी
म.प्र. की खेल राजधानी

प्रमुख विशेषताएं:

- 1. स्वच्छता में नंबर 1: इंदौर को लगातार कई वर्षों से भारत का सबसे स्वच्छ शहर घोषित किया गया है।

Result Mitra

इंदौर (मध्य प्रदेश)

प्रमुख विशेषताएं:

- 2. शिक्षा और उद्योग: इंदौर आईआईटी और आईआईएम दोनों संस्थानों वाला भारत का एकमात्र शहर है।
- 3. खानपान: यहां के सर्राफा और 56 दुकान क्षेत्र अपने लाजवाब स्ट्रीट फूड के लिए प्रसिद्ध हैं।

Result Mitra

Result Mitra

पर्यटन

इंदौर (मध्य प्रदेश)

5. संस्कृति:

- इंदौर मराठी और मालवा संस्कृति का मिश्रण है, और यहां हर त्यौहार बड़ी धूमधाम से मनाया जाता है।

होली → धूमधाम
फाग द्रव्य
धुलेंडी

Result Mitra

उदयपुर (राजस्थान)

परिचय:

- उदयपुर को "झीलों का शहर" और "पूर्व का वेनिस" कहा जाता है। यह राजस्थान की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक धरोहर का प्रतीक है।

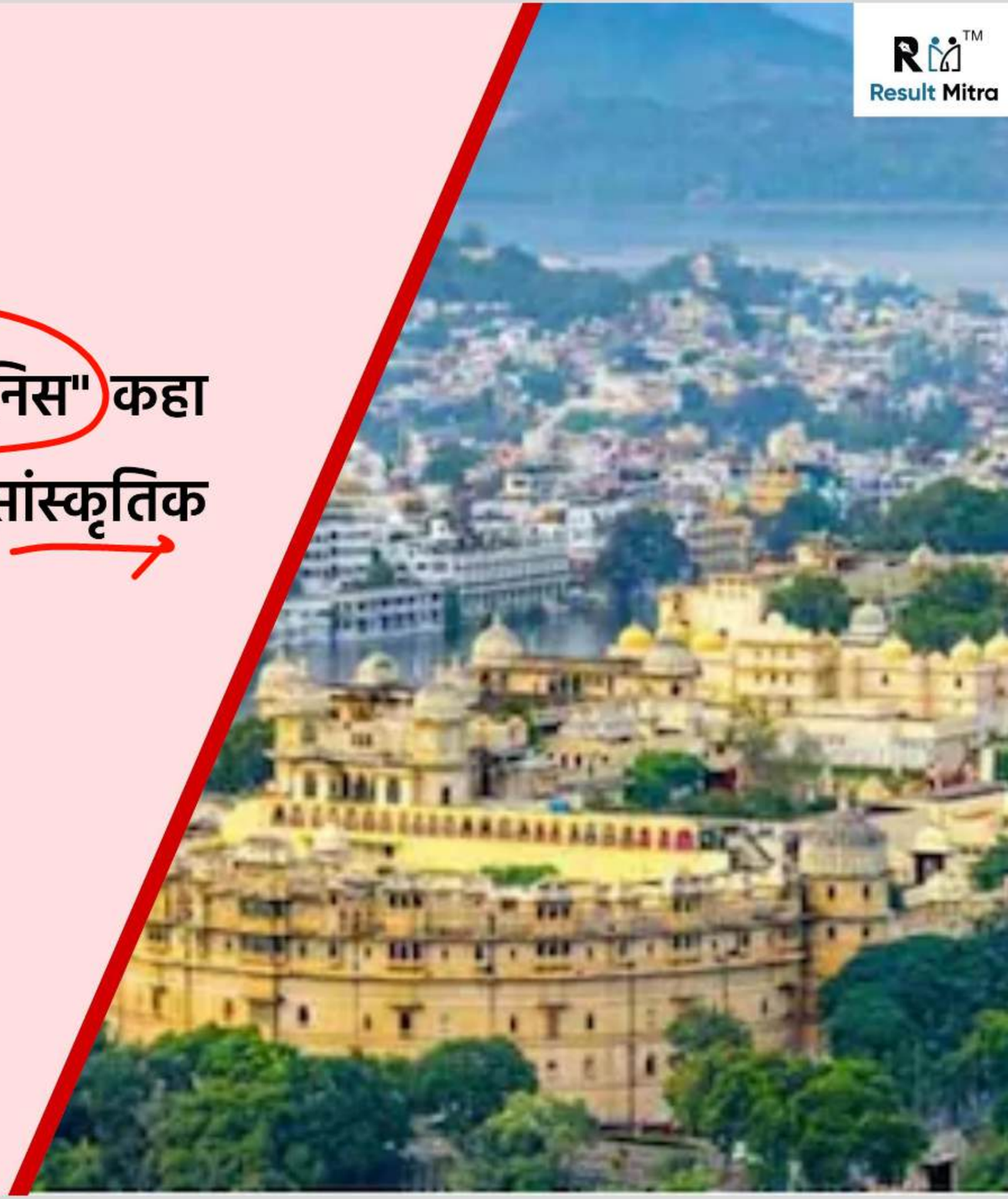

Result Mitra

उदयपुर (राजस्थान)

प्रमुख विशेषताएं:

1. झीलों का सौंदर्य:

- पिछोला झील
- फतेह सागर झील
- उदयसागर झील
- दूधतलाई झील

2. महल और किले:

- सिटी पैलेस
- सज्जनगढ़ किला (मानसून पैलेस)
- जग मंदिर
- कुंभलगढ़ किला (उदयपुर के पास)

Result Mitra

उदयपुर (राजस्थान)

प्रमुख विशेषताएं:

- 3. संस्कृति: उदयपुर में मेवाड़ी संस्कृति झलकती है। यहां के पारंपरिक लोक नृत्य, गाने और हस्तशिल्प दुनियाभर में प्रसिद्ध हैं।
- 4. विवाह स्थलों की लोकप्रियता: उदयपुर कई भव्य विवाह आयोजनों का केंद्र बन चुका है, जिसमें बॉलीवुड और हॉलीवुड सेलिब्रिटी भी शामिल हैं।
- 5. पर्यटन: उदयपुर भारत के शीर्ष पर्यटन स्थलों में से एक है, जिसे हर साल हजारों विदेशी और घरेलू पर्यटक देखने आते हैं।

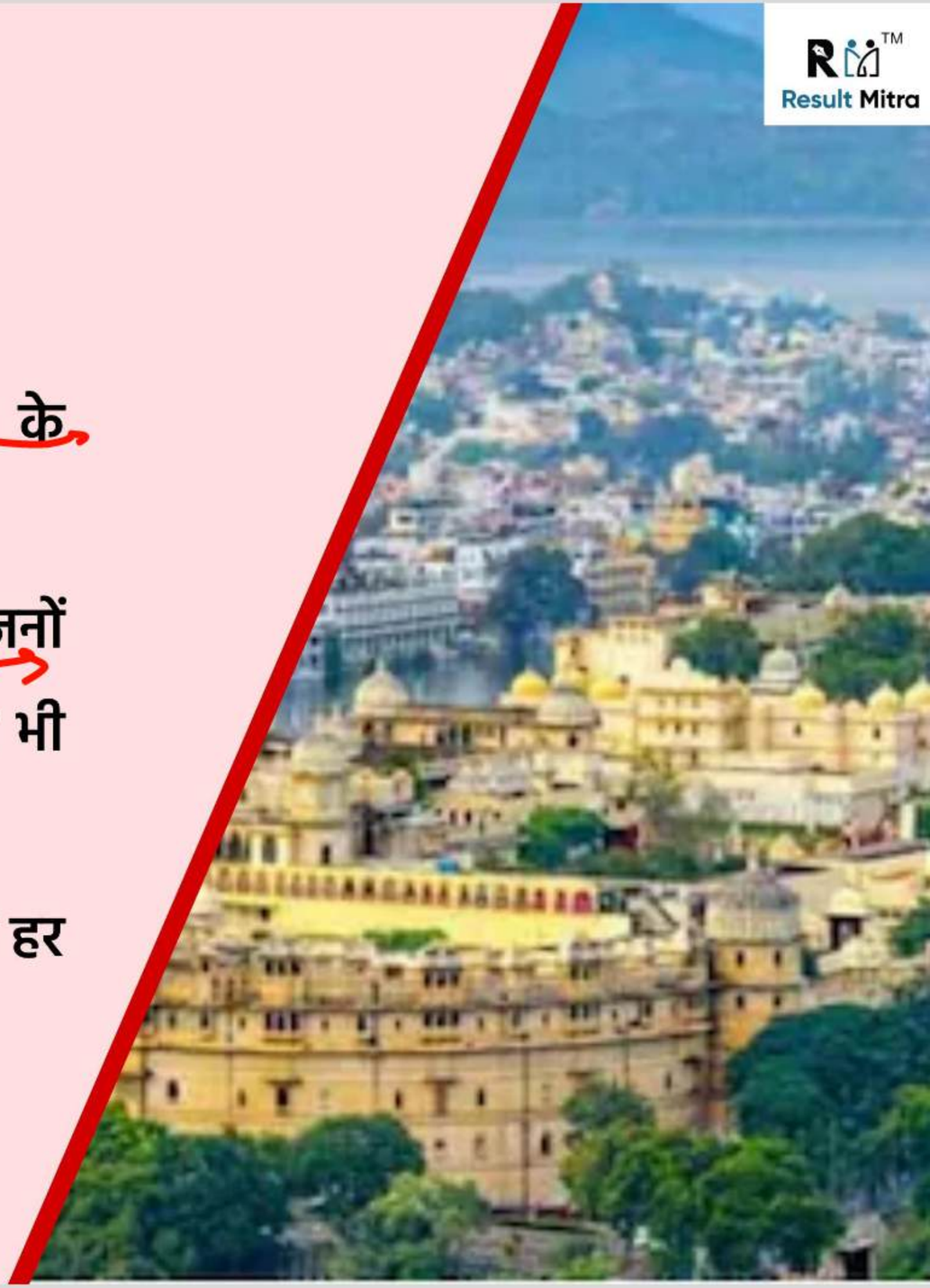

Result Mitra

इंदौर और उदयपुर

समानताएं:

1. पर्यावरण संरक्षण:
   - दोनों शहर अपने पर्यावरण संरक्षण प्रयासों के लिए जाने जाते हैं।
   - हाल ही में, इंदौर और उदयपुर को "वेटलैंड सिटी" का दर्जा मिला है।
2. पर्यटन:
   - दोनों शहर अपने सुंदर और ऐतिहासिक स्थलों के कारण पर्यटन केंद्र हैं।

Result Mitra

इंदौर और उदयपुर

समानताएं:

3. संस्कृति और परंपरा:
   - इंदौर और उदयपुर दोनों ही अपनी सांस्कृतिक धरोहर को संजोए हुए हैं।
   - दोनों स्थानों पर विविध त्यौहार और मेले हर्षोल्लास के साथ मनाए जाते हैं।

Result Mitra

इंदौर और उदयपुर

समानताएं:

पहलू	इंदौर	उदयपुर
स्थिति	मध्य प्रदेश	राजस्थान
उपाधि	स्वच्छता का नंबर 1 शहर	झीलों का शहर
संस्कृति	मराठी और मालवा का प्रभाव	मेवाड़ी संस्कृति
पर्यटन का आकर्षण	आधुनिक और ऐतिहासिक स्थल	महल, झीलें और किले

CURRENT AFFAIRS QUIZ

Result Mitra

प्रश्न: निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. इंदौर और उदयपुर को हाल ही में रामसर कन्वेंशन द्वारा 'वेटलैंड सिटी' का दर्जा प्राप्त हुआ है।

2. 'वेटलैंड सिटी' का दर्जा आर्द्रभूमि (वेटलैंड) के संरक्षण और विवेकपूर्ण उपयोग के लिए उत्कृष्ट प्रयास करने वाले शहरों को दिया जाता है।

3. रामसर कन्वेंशन ने वेटलैंड सिटी मान्यता प्रणाली को पहली बार 2015 में लागू किया था।

उपयुक्त विकल्प का चयन कीजिए:

A. केवल 1 और 2 सही हैं

B. केवल 2 और 3 सही हैं

C. 1, 2 और 3 सही हैं

D. केवल 1 और 3 सही हैं

Result Mitra

डायनासोर की उत्पत्ति

डायनासोर की उत्पत्ति

- डायनासोर की उत्पत्ति एक जटिल विषय है जिस पर वैज्ञानिक लगातार शोध कर रहे हैं। विभिन्न जानकारी को मिलाकर एक विस्तृत विवरण इस प्रकार है:

डायनासोर की उत्पत्ति

Result Mitra

उत्पत्ति का समय और काल:

- डायनासोर लगभग 23 करोड़ साल पहले ट्राइएसिक काल के अंत में अस्तित्व में आए। कुछ खोजें 23.2 करोड़ साल पहले की ओर इशारा करती हैं, जब पृथ्वी पर बड़े पैमाने पर जीवों का विलुप्तिकरण हो रहा था।
- ये जीव लगभग 16 करोड़ वर्षों तक पृथ्वी पर रहे, ट्राइएसिक काल के अंत से लेकर क्रीटेशियस काल के अंत (लगभग 6.5 करोड़ वर्ष पहले) तक।

डायनासोर की उत्पत्ति

Result Mitra

उत्पत्ति का स्थान:

- माना जाता है कि डायनासोर दक्षिणी ध्रुव के क्षेत्र में पैदा हुए थे।
- हालांकि, वैज्ञानिक खोजों से पता चलता है कि डायनासोर गर्म और सूखे क्षेत्रों, जैसे रेगिस्तान और जंगल में अधिक पाए जाते थे।
- शुरुआती डायनासोर के जीवाश्म अर्जेंटीना (ईराप्टर और हेरेरासॉरस), दक्षिणी ब्राजील (सैटर्नलिया) और जिम्बाब्वे (एमबीरेसॉरस) में पाए गए हैं।

डायनासोर की उत्पत्ति

Result Mitra

उत्पत्ति के कारण:

- एक अध्ययन से पता चलता है कि लगभग 240-250 मिलियन साल पहले हुए ज्वालामुखी विस्फोटों के बाद पृथ्वी पर डायनासोर की संख्या में वृद्धि हुई थी।
- यह भी माना जाता है कि 23.2 करोड़ वर्ष पहले हुए बड़े पैमाने पर जीवों के विलुप्तिकरण ने डायनासोर के विस्तार के लिए परिस्थितियाँ बनाईं।

डायनासोर की उत्पत्ति

Result Mitra

अन्य महत्वपूर्ण बातें:

- डायनासोर का अर्थ यूनानी भाषा में "बड़ी छिपकली" होता है।
- जीवाश्म अभिलेखों से पता चलता है कि पक्षियों का विकास जुरासिक काल के दौरान थेरोपोड डायनासोर से हुआ था, और अधिकांश जीवाश्म विज्ञानी पक्षियों को डायनासोर का जीवित वंशज मानते हैं।
- हिंदी में डायनासोर शब्द का अनुवाद भीमसरट है, जिसका संस्कृत में अर्थ "भयानक छिपकली" है।

डायनासोर की उत्पत्ति

Result Mitra

- जुरासिक काल (Jurassic Period) पृथ्वी के भूवैज्ञानिक इतिहास का एक महत्वपूर्ण चरण है, जो लगभग 20 करोड़ वर्ष पहले (201.3 मिलियन वर्ष) शुरू हुआ और 14.5 करोड़ वर्ष पहले (145 मिलियन वर्ष) समाप्त हुआ।
- यह काल मेसोज़ोइक युग (Mesozoic Era) का दूसरा चरण है, जो डायनासोरों की दुनिया पर प्रभुत्व के लिए जाना जाता है।

डायनासोर की उत्पत्ति

Result Mitra

मुख्य विशेषताएं:

1. डायनासोरों का स्वर्ण युग:

- जुरासिक काल को "डायनासोरों का युग" कहा जाता है, क्योंकि इस दौरान डायनासोरों की संख्या और विविधता में अत्यधिक वृद्धि हुई।
- इस काल में कई प्रसिद्ध डायनासोर जैसे ब्रोंटोसरस (Brontosaurus), डिप्लोडोकस (Diplodocus), और टायरानोसॉरस (Tyrannosaurus) विकसित हुए।

डायनासोर की उत्पत्ति

मुख्य विशेषताएं:

2. जलवायु:

- जुरासिक काल की जलवायु गर्म और आर्द्र थी।
- इस समय कोई बर्फ के ध्रुव नहीं थे, जिससे समुद्रों का स्तर काफी ऊंचा था।
- घने उष्णकटिबंधीय और उपोष्णकटिबंधीय जंगलों का विकास हुआ।

डायनासोर की उत्पत्ति

Result Mitra

मुख्य विशेषताएं:

3. पृथ्वी का भूगोल:

- इस काल में पृथ्वी के सभी महाद्वीप एकसाथ जुड़े हुए थे और इसे पैंजिया (Pangaea) कहा जाता था।
- बाद में, पैंजिया दो मुख्य महाद्वीपों में विभाजित हो गया: लौरासिया (उत्तरी भाग) और गोंडवाना (दक्षिणी भाग)।

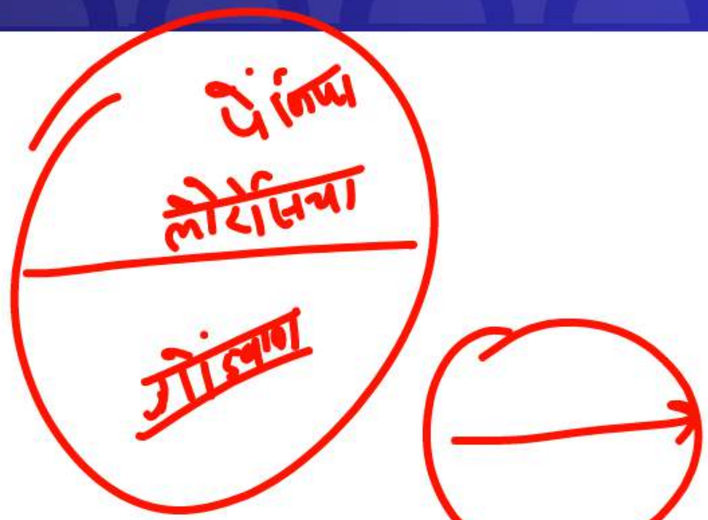

डायनासोर की उत्पत्ति

Result Mitra

मुख्य विशेषताएं:

4. जीव-जंतु:

- डायनासोर: प्रमुख स्थलीय प्राणी थे, जो इस युग में पृथ्वी पर शासन करते थे।
- समुद्री जीव: समुद्रों में प्लेसियोसॉरस (Plesiosaurus) और इचथियोसॉरस (Ichthyosaurus) जैसे जीव पाए जाते थे।

डायनासोर की उत्पत्ति

Result Mitra

मुख्य विशेषताएं:

4. जीव-जंतु:

- पहले पक्षी: जुरासिक काल के अंत में आर्कियोप्टरिक्स (Archaeopteryx) जैसे पहले पक्षियों का विकास हुआ।
- सरीसृप और स्तनधारी: छोटे स्तनधारी और रेंगने वाले जीव भी इस समय विकसित हुए।

डायनासोर की उत्पत्ति

Result Mitra

मुख्य विशेषताएं:

5. वनस्पति:

- इस काल में विशाल फर्न, साइकैड (Cycad), और शंकुधारी पेड़ (Conifer) हावी थे।
- फूलदार पौधों का विकास अभी तक नहीं हुआ था।

डायनासोर की उत्पत्ति

जुरासिक काल का महत्व:

1. जीवों का विकास:

- इस काल में कई प्रकार के जीवों का विकास हुआ, जिनमें डायनासोर, समुद्री जीव, और पहले पक्षी शामिल थे।
- डायनासोरों का प्रभाव इतना बड़ा था कि वे इस युग के पर्याय बन गए।

डायनासोर की उत्पत्ति

Result Mitra

जुरासिक काल का महत्व:

2. विलुप्ति की घटनाओं के बाद उभरना:

- जुरासिक काल से पहले ट्राइएसिक काल में बड़े पैमाने पर विलुप्ति हुई थी। इसके बाद जुरासिक काल ने जीवन के नए रूपों को विकसित होने का मौका दिया।

डायनासोर की उत्पत्ति

जुरासिक काल का महत्व:

3. विज्ञान और शोध के लिए प्रेरणा:

- जुरासिक काल ने वैज्ञानिकों को जीवाश्मों के माध्यम से पृथ्वी के प्राचीन इतिहास और पर्यावरण को समझने का एक महत्वपूर्ण स्रोत प्रदान किया है।

डायनासोर की उत्पत्ति

जुरासिक काल पर लोकप्रिय संस्कृति का प्रभाव:

फिल्में और किताबें:

- जुरासिक काल और डायनासोरों की कहानियां "जुरासिक पार्क" जैसी लोकप्रिय फिल्मों और किताबों के जरिए आम जनता के बीच बेहद मशहूर हुई हैं।

डायनासोर की उत्पत्ति

Result Mitra

जुरासिक काल पर लोकप्रिय संस्कृति का प्रभाव:

आकर्षण:

- जुरासिक काल आज भी विज्ञान प्रेमियों, बच्चों, और इतिहासकारों के लिए एक आकर्षक विषय है।
- जुरासिक काल पृथ्वी के इतिहास का एक शानदार अध्याय है, जिसने डायनासोरों के युग को आकार दिया। यह काल हमें न केवल पृथ्वी के प्राचीन वातावरण और जीवन के विकास की कहानी बताता है, बल्कि यह भी दिखाता है कि कैसे प्राचीन जीव पृथ्वी पर टिके रहे और विकसित हुए।

CURRENT AFFAIRS QUIZ

Result Mitra

प्रश्न: निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. डायनासोर लगभग 23 करोड़ साल पहले ट्राइएसिक काल के अंत में उत्पन्न हुए थे।

2. जुरासिक काल को "डायनासोरों का युग" कहा जाता है, क्योंकि इस काल में डायनासोरों की संख्या और विविधता में अत्यधिक वृद्धि हुई।

3. जुरासिक काल के दौरान पृथ्वी के सभी महाद्वीप एकसाथ जुड़े हुए थे और इसे पैंजिया कहा जाता था।

उपयुक्त विकल्प का चयन कीजिए:

A. केवल 1 और 2 सही हैं

B. 1, 2 और 3 सही हैं

C. केवल 2 और 3 सही हैं

D. केवल 1 और 3 सही हैं

Result Mitra

Thank You